>

Title: Regarding environmental implication of the oil spill off Mumbai coast on 7th August, 2010.

**श्री संजय निरुपम (मुम्बई उत्तर):** उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका सचमुच बहुत आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने की अनुमति दी। मुंबई शहर में लोगों के बीच आतंक छाया हुआ है और मैं इसकी तरफ सदन और सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। मुंबई में करीब 1,30,00,000 लाख लोग रहते हैं और इसके तीनों तरफ समुद्र है। ऐसे शहर में मुंबई पोर्ट से लगभग 10 किलोमीटर दूरी पर 7 अगस्त को दो बड़े शिप टकरा गए। ये शिप ऐसे थे कि एक शिप में लगभग 1300-1400 कंटेनर समा सकते हैं। एमएससी - चित्रा और खालीजिया, दो शिप टकराने के बाद एक शिप में से 300-400 कंटेनर समुद्र में गिर गए हैं। अब सचमुच कितने कंटेनर गिरे हैं, यह कहना मुश्किल है। ऐसा अखबारों में आ रहा है कि इन कंटेनरों के गिरने के बाद लगभग 400 टन से ज्यादा जहरीले केमिकल्स समुद्र में फैल रहे हैं। अब कहां फैले हैं और ये किस प्रकार के केमिकल्स हैं, ये कितने खतरनाक हैं और इनका जन जीवन के ऊपर क्या असर पड़ सकता है, हमें इसके बारे में सूचना सरकार के माध्यम से मिलनी चाहिए और निश्चित तौर पर इस दिशा में प्रयत्न होना चाहिए। पिछले दो दिनों से लोगों में अफरातफरी का माहौल है कि यह शिप कौन सा है और किसका शिप है? मैंने सुना था कि एक हफ्ते पहले यही शिप एक अन्य शिप के साथ दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। हम जानना चाहते हैं कि यह सिर्फ दुर्घटना है या जानबूझकर हो रहा है? पर्यावरण की दृष्टि से इसका क्या असर हो सकता है? मुझे बहुत खुशी है कि इस समय मैं बोल रहा हूं और यहां अति जागरुक पर्यावरण मंत्री, श्री जयराम रमेश जी आ गए हैं, मैं जयराम जी से निवेदन करूंगा कि वे इस विषय पर एक वक्तव्य दें कि केंद्र सरकार और महाराष्ट्र सरकार आने वाले दिनों में इस जहर को कैसे न्यूट्रिलाइज कर सकती है? मुंबई के लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके, इस दिशा में क्या हो सकता है? इसके बारे में हमें, सदन और पूरे देश को बताएं।

**डॉ. संजीव गणेश नाईक (ठाणे):** महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूं कि ऑयल पूरे तटवर्ती इलाकों में फैल रहा है। मछुआरे वही मछली खा रहे हैं, उन्हें यह पता नहीं है कि कौन सी मछली में कौन सा जहर गया है। उन लोगों को कुछ भी हो सकता है। हम चाहते हैं कि सरकार इस बारे में जांच करे। यहां पॉल्यूशन तो हुआ ही है और इसके साथ मछुआरों के खाने पर भी संकट आ गया है। इस समय पैदाइश का पीरियड है। हम चाहते हैं कि सरकार जांच के आदेश दे।

**श्री संजय निरुपम :** माननीय मंत्री जी उपस्थित हैं, हमारा अनुरोध है कि वे इस बारे में एक जवाब दें।

**उपाध्यक्ष महोदय :** इस बारे में हम नहीं कह सकते हैं।

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI JAIRAM RAMESH): Sir, I have already given notice to make a *suo motu* statement on the environmental implications of the Bombay oil spill. Depending on the time that you allot, I am prepared to make the statement.